दो ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के जरिए बिछा उद्योगों का जाल

लखनऊ, विशेष संवाददाता। उत्तर प्रदेश में दो ग्राउंड ब्रेकिंग सेरमनी के जरिए हजारों निवेश परियोजनाएं धरातल पर उतर चुकी हैं। अब यहां उत्पादन हो रहा है और लोगों को रोजगार भी मिल रहा है।

इंवेस्टर्स समिट के बाद उसी साल 29 जुलाई 2018 पहली ग्राउंड ब्रेकिंग सेरमनी हुई। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 61,800 करोड़ से अधिक की 81 परियोजनाओं की आधार शिला रखी। इसके बाद रिलायंस जीओ और बीएसएनएल ने पूरे प्रदेश में ऑप्टिकल केबल बिछाया। अडानी पॉवर ने 765 केवी घाटमपुर-हापुड़ ट्रांसमिशन लाइन का काम कराया। पेटीएम ने अपना कैम्पस और हेडक्वार्टर बनाया। वर्ल्ड ट्रेड सेंटर ने मोबाइल मैनुफैक्चर हब डेवलप किया।

28 जुलाई 2019 को ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी-2 का आयोजन गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुआ। इसमें 67,000 करोड़ से अधिक का हुआ निवेश हुआ और 290 परियोजनाएं हुई शुरू हुईं। इसके तहत सैमसंग ने नोएडा में मोबाइल मैनुफैक्चरिंग यूनिट शुरू किया। आईटीसी ने हरदोई में फूड प्रोसेसिंग सेंटर और वेयरहाउस शुरू किया। पेप्सिको ने मथुरा में फूड प्रोसेसिंग यूनिट शुरू किया।

81 परियोजनाओं की आधार शिला 2018 में रखी गई

- 290 परियोजनाएं शुरू हुईं 2019 के आयोजन में

इस बार एमएसएमई सेक्टर में भारी निवेश

इंवेस्टर्स समिट के माध्यम से प्रदेश में हर क्षेत्र में निवेश आया है। अब यूनिवर्सिटी से लेकर डेयरी प्लांट तक लग रहे हैं। एमएसएमई में सर्वाधिक गौतमबुद्धनगर में 40, मथुरा में 15, लखनऊ में आठ, बाराबंकी में सात, गाजियाबाद और गोरखपुर में छह-छह प्रोजेक्ट लग रहे हैं। देश में सर्वाधिक 14.2 फीसदी 90 लाख एमएसएमई प्रदेश में है। जीबीसी थ्री में प्रदेश में एमएसएमई के 4459 करोड़ के प्रोजेक्ट लग रहे हैं। इनमें प्रमुख रुप से आगरा में दो, अलीगढ़ में तीन, अमेठी में दो, लखनऊ में आठ हैं।